

# UGC NET Paper 1 2011 dec

## www.Fillerform.info

---

### Previous Years Solved Questions - UGC NET Paper 1 for July 201

## Unit 3(Home work)Hindi/Eng-19 with ans

---

**Read the following passage carefully and answer the questions (Qn. Nos. 55 to 60 :**

The catalytic fact of the twentieth century is uncontrollable development, consumerist society, political materialism, and spiritual devaluation. This inordinate development has led to the transcendental 'second reality' of sacred perception that biologically transcendence is a part of human life. As the century closes, it dawns with imperative vigour that the 'first reality' of enlightened rationalism and the 'second reality' of the Beyond have to be harmonised in a worthy state of man. The de facto values describe what we are, they portray the 'is' of our ethic, they are est values (Latin est means is). The ideal values tell us what we ought to be, they are esto values (Latin esto 'ought to be'). Both have to be in the ebb and flow of consciousness. The ever new science and technology and the ever-perennial faith are two modes of one certainty, that is the wholeness of man, his courage to be, his share in Being.

The materialistic foundations of science have crumbled down. Science itself has proved that matter is energy, processes are as valid as facts, and affirmed the non-materiality of the universe. The encounter of the 'two cultures', the scientific and the humane, will restore the normal vision, and will be the bedrock of a 'science of understanding' in the new century. It will give new meaning to the ancient perception that quantity (measure) and quality (value) coexist at the root of nature. Human endeavours cannot afford to be humanistically irresponsible.

55. The problem raised in the passage reflects overall on

- (A) Consumerism
- (B) Materialism
- (C) Spiritual devaluation
- (D) Inordinate development

**Answer: (D)**

56. The 'de facto' values in the passage means

- (A) What is
- (B) What ought to be
- (C) What can be
- (D) Where it is

**Answer: (A)**

57. According to the passage, the 'first reality' constitutes

- (A) Economic prosperity
- (B) Political development
- (C) Sacred perception of life
- (D) Enlightened rationalism

**Answer: (D)**

58. Encounter of the 'two cultures', the scientific and the human implies

- (A) Restoration of normal vision
- (B) Universe is both material and non-material
- (C) Man is superior to nature
- (D) Co-existence of quantity and quality in nature

**Answer: (A)**

59. The contents of the passage are

- (A) Descriptive
- (B) Prescriptive
- (C) Axiomatic
- (D) Optional

**Answer:** (D)

60. The passage indicates that science has proved that

- (A) universe is material
- (B) matter is energy
- (C) nature has abundance
- (D) humans are irresponsible

**Answer:** (B)

**निम्नलिखित मार्ग को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें (Qn| Nos| 55 से 60):**

बीसवीं शताब्दी का उत्प्रेरक तथ्य बेकाबू विकास, उपभोक्तावादी समाज, राजनीतिक भौतिकवाद और आध्यात्मिक अवमूल्यन है। इस असीम विकास ने पवित्र धारणा के पारलौकिक 'दूसरी वास्तविकता' को जन्म दिया है जो जैविक रूप से पारगमन मानव जीवन का एक हिस्सा है। जैसे-जैसे सदी बंद होती है, यह अत्यावश्यकता के साथ बढ़ता जाता है कि प्रबुद्ध तर्कवाद की 'पहली वास्तविकता' और परे की 'दूसरी वास्तविकता' को मनुष्य की योग्य अवस्था में सामंजस्य बैठाना पड़ता है। वास्तविक तथ्यों का वर्णन है कि हम क्या हैं, वे हमारी नैतिकता का 'चित्रण' करते हैं, वे मुख्य मूल्य हैं (लैटिन स्थूल साधन है)। आदर्श मूल्य हमें बताते हैं कि हमें क्या होना चाहिए, वे एस्टो मूल्य (लैटिन एस्टो 'होना चाहिए') हैं। दोनों को चेतना के प्रवाह और प्रवाह में होना चाहिए। हमेशा नई विज्ञान और प्रौद्योगिकी और सदा-सदाबहार विश्वास एक निश्चितता के दो तरीके हैं, वह है मनुष्य की पूर्णता, उसके होने का साहस, बीड़ंग में उसका हिस्सा।

विज्ञान की भौतिकवादी नींव गिर गई है। विज्ञान ने स्वयं सिद्ध किया है कि पदार्थ ऊर्जा है, प्रक्रियाएं तथ्यों की तरह ही मान्य हैं, और ब्रह्मांड की गैर-भौतिकता की पुष्टि करता है। वैज्ञानिक और मानवीय, 'दो संस्कृतियों' का सामना, सामान्य दृष्टि को बहाल करेगा, और नई सदी में एक

'विज्ञान की समझ' का आधार होगा। यह प्राचीन धारणा को नया अर्थ देगा कि प्रकृति की जड़ में मात्रा (माप) और गुणवत्ता (मूल्य) आईईएक्स में सैंट। मानव प्रयास मानवतावादी गैर-जिम्मेदार होने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं।

55. मार्ग में उठाई गई समस्या समग्र रूप से परिलक्षित होती है

(ए) उपभोक्तावाद

(ख) भौतिकवाद

(ग) आध्यात्मिक अवमूल्यन

(डी) विकास में कमी

**उत्तर:** (D)

56. मार्ग में 'वास्तविक' मूल्यों का अर्थ है

(ए) क्या है

(ख) क्या होना चाहिए

(ग) क्या हो सकता है

(घ) यह कहाँ है

**उत्तर:** (ए)

57. पारित होने के अनुसार, 'पहली वास्तविकता' का गठन होता है

(ए) आर्थिक समृद्धि

(बी) राजनीतिक विकास

(ग) जीवन की पवित्र धारणा

(डी) प्रबुद्ध तर्कवाद

**उत्तर:** (D)

58. 'दो संस्कृतियों' का सामना, वैज्ञानिक और मानव का तात्पर्य है

(ए) सामान्य दृष्टि की बहाली

- (बी) ब्रह्मांड सामग्री और गैर-सामग्री दोनों हैं  
(ग) मनुष्य प्रकृति से श्रेष्ठ है  
(डी) प्रकृति में मात्रा और गुणवत्ता का सह-अस्तित्व

**उत्तर:** (ए)

59. मार्ग की सामग्री हैं

- (ए) वर्णनात्मक  
(ख) अभिहित  
(C) असामाजिक  
(घ) वैकल्पिक

**उत्तर:** (D)

60. मार्ग इंगित करता है कि विज्ञान ने यह साबित कर दिया है

- (ए) ब्रह्मांड भौतिक है  
(B) पदार्थ ऊर्जा है  
(ग) प्रकृति में बहुतायत है  
(घ) मनुष्य गैर जिम्मेदार हैं

**उत्तर:** (बी)

---